**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1453**

**24 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए**

**सैन्य बल में कटौती**

**1453. श्री विशम्भर प्रसाद निषाद :**

**श्रीमती छाया वर्मा :**

**चौधरी सुखराम सिंह यादव :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या यह सच है कि सेना में मानव संसाधन की कटौती की दिशा में विचार चल रहा है;
2. यदि हां, तो इस कटौती में सैनिकों एवं अधिकारियों के कितने पदों को समाप्त करने पर विचार चल रहा है और इस पर कब तक अमल प्रारंभ होगा; और
3. क्या इस मानव संसाधन की कटौती से सेना के सामंजस्य पर कोई विपरीत प्रभाव नही पड़ेगा ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) से (ग): सरकार द्वारा सशस्त्र सेनाओं की समाघात क्षमता में वृद्धि करने और रक्षा व्यय को पुनः संतुलित करने संबंधी उपायों की सिफारिश करने के लिए वर्ष 2016 में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था । संबंधित एजेंसियों/पणधारियों में कार्यान्वयन के लिए भारतीय सेना से संबंधित कुल 65 सिफारिशों की संस्तुति की गई थी । विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों में भारतीय सेना की कतिपय इकाइयों के आकार को सही करना शामिल है, जिससे कि संसाधनों का इष्टतम उपयोग हो सके । इसमें अफसरों/जूनियर कमीशंड अफसरों/अन्य रैंकों एवं सिविलियनों जैसे विभिन्न पदों की पुनः तैनाती और पुनर्संरचना, आपूर्ति एवं परिवहन इकाइयों का बेहतर उपयोग, भर्ती के मानकों में संवृद्धि तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर की क्षमता में सुधार करना शामिल है ।

\*\*\*\*